

ज के खिलाड़ी बेलाल को गया। समारोह का

सारी रस्सियों को जोड़ देने पर भी दो अंगुल छोटा पड़ गया।
जी ने भगवान से कहा श्री कृष्ण ने कहा कि इसमें मेरा कोई चमत्कार

में पारित किया।

कांटी थर्मल को लगा दिल का रोग, सारा दोष प्रशासन के सिर

कांटी 22 दिसम्बर। दिल के मरीज की भांति कांटी थर्मल पावर स्टेशन की सांस कभी चलती और कभी ठप हो जा रही है। प्रबंध रूपी डा. इसका इलाज ढूंढ पा रहे है या नहीं इसका एक ही जबाब स्थानीय लोगों के पास है। स्थानीय लोग इसके लिए प्रबंधक की लूट खसाट नीति एवं अकर्मण्यता को जिम्मेवार मानते हैं। थर्मल पावन की दुर्दशा के कारणों और इसके लिए जिम्मेवार तत्वों पर आम जनता की बेबाक टिप्पणी नरम और गरम ढंग से व्यक्त करती है।

कांटी पुराना चौक के प्रो. अशोक कुमार अनुसार पावर स्टेशन को दुर्दशा शब्द से संबोधित करना बड़ाई करने के समान है। दरअसल पावर स्टेशन बर्बाद होकर रह गया है और इसका एकमात्र जिम्मेवार थर्मल प्रबन्धन की लूट-खसोट नीति है। चिकित्सक डॉ. जे.पी. शर्मा थर्मल पावर के सभी कर्मचारियों एवं पदाधिकारी को इसकी दुर्दशा का कारण मानते हैं। जिसमें प्रबन्धन की भूमिका महत्वपूर्ण है।

डॉ. शर्मा के अनुसार कमीशनखोरी की ललक, मशीन के रख-रखाव के में लापरवाही एवं रिपेयर सामान लगाना भी इस दुर्दशा के मुख्य कारण है। थर्मल की दुर्दशा के लिए सरकार, राजनीतिज्ञों जिम्मेवार बताने वाले डॉ. शर्मा इसपर अपना तर्क देते है कि उपरोक्त लोग प्रबन्धन से पैसा लेकर उसे मनमानी की छूट दे रहे हैं। कांटी कोढ़िया वासी सत्यनारायण सहनी इसे सरकार और प्रबन्धन की मिलीभगत का नतीजा बताते हैं। शेरूकांटी निवासी सुर्दशन मिश्रा प्रतिष्ठान के कर्मचारी एवं पदाधिकारीं के वेतन लेने की पद्धति को इसका कारण मानते हैं। श्री मिश्रा के अनुसार प्रबन्धन नए मशीन का बिल बनाकर पुराने मशीन की रिपेयरिंग कर चलाता है। थर्मल पावर स्टेशन के पूर्व ठेकेदार मनोज कुमार ने रख-रखाव के लिए पैसे की कमी, अभियंताओं की दक्षता में कमी, प्रबन्धन की आराम तलबी को प्रमुख कारण बताया। उत्पादन बंद होने के बाद इसके लिए जिम्मेवार पदाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई न होने को दुर्दशा का सबसे महत्वपूर्ण कारण बताते हैं। वार्ड सं-3 निवासी श्री भगवान साह कहते हैं कि प्रबन्धन नाम का कोई शब्द पावर स्टेशन में अब नहीं बच गया है। कमीशन की लालच में प्रबन्धन एक कार्य को कागज पर दस बार दर्शाने में अपने शातिर दिमाग का उपयोग करता है जो दुर्दशा का मुख्य कारण है। वार्ड सं-8 के निवासी नन्दकिशोर साह इसके लिए प्रबन्धन को दोषी बताते हैं। श्री साह के अनुसार प्रबंन्धन द्वारा जिम्मेवारी सही ढ़ंग से न निभाने से ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है।

थर्मल में मन रहा है 'पीस एण्ड हैप्पी'

सवा सौ घंटे से बंद कांटी थर्मल पावर स्टेशन मे अगले दों-तीन दिनों में कोयले आना मुमकिन नही लगता है। बंद होने 200 घंटे बाद ही कांटी थर्मल पावर स्टेशन से उम्पादन संभव हो सकेगा। ऐसा संकेत कांटी थर्मल पावर स्टेशन प्रबंधन द्वारा विधुत बोर्ड मुख्यालय को भेजे गए त्राहिमाम संदेश के बाद मिले जबाब से मिलता है। बोर्ड मुख्यालय ने कांटी थर्मल पावर स्टेशन को कहा है कि कागज में अभी करीब 22 हजार टन कोयला स्टॉक में है। इसके जबाब मे कांटी थर्मल पावर ने बोर्ड को बताया कि स्टॉक में जो कोयला है व कारपेट कोल है। कारपेट कोल का प्रतिउत्तर अब तक बोर्ड ने थर्मल पावर को नहीं दिया है बोर्ड से जुडे सूत्रों का कहना है कि कोयला अमूमन दो से तीन दिनों में कांटी थर्मल पावर को नहीं दिया है। बोर्ड से जुडे सूत्रों का कहना है कि कोयला अमूमन दो से तीन दिनों मे कांटी थर्मल पावर को हो सकेगा। इधर थर्मल प्रबन्धन भी बगैर कोयला आवक के यूनिट चलाने के मूड में नहीं है। पावर स्टेशन से जुडे सूत्र कहते हैं कि प्रबंधन ने यह फैसला इस वर्ष भारी तनाव में गुतारने के बाद पीस एण्ड हेप्पी के लिए किया है।

बच्चों के झगड़े को लेकर

बाढ़ के स्थायी निदान के

ब

क

1 के खिलाड़ी बेलाल को गया। समारोह का सारी रस्सियों को जोड़ देने पर भी दो अंगुल छोटा पड़

जी ने भगवान से कहा श्री कृष्ण ने कहा कि इसमें मेरा कोई चमत्कार

में पारित किया।

कांटी थर्मल को लगा दिल का 'रोग, सारा दोष प्रशासन के सिर

कांटी 22 दिसम्बर। दिल के मरीज की रा भांति कांत थर्मल पावर स्टेशन की सांस 2 कभी चलते और कभी ठप हो जा रही है। न प्रबंध रूपी डा. इसका इलाज ढूंढ पा रहे है. रया नहीं इसका एक ही जबाब स्थानीय म लोगों के पास हैं। स्थानीय लोग इसके लिए वं प्रबंधक की लूट खसाट नीति एवं गों अकर्मण्यता को जिम्मेवार मानते हैं। थर्मल का पावन की दुर्दशा के कारणों और इसके न लिए जिम्मेवार तत्वों पर आम जनता की है। बेबाक टिप्पणी नरम और गरम ढंग से भार व्यक्त करती है।

कांटी पुराना चौक के प्रो. अशोक कुमार अनुसार पावर स्टेशन को दुर्दशा शब्द से संबोधित करना बड़ाई करने के समान है। दरअसल पावर स्टेशन बर्बाद होकर रह गया है और इसका एकमात्र जिम्मेवार थर्मल ची प्रबन्धन की लूट-खसोट नीति है । नथि चिकित्सक डॉ. जे.पी. शर्मा थर्मल पावर के गील सभी कर्मचारियों एवं पदाधिकारी को इसकी झा, दुर्दशा का कारण मानते हैं। जिसमें प्रबन्धन हनी की भूमिका महत्वपूर्ण है। शेष डॉ. शर्मा के अनुसार कमीशनखोरी की जेश ललक, मशीन के रख-रखाव के में दिया लापरवाही एवं रिपेयर सामान लगाना भी इस द्वारा दुर्दशा के मुख्य कारण है। थर्मल की दुर्दशा

के लिए सरकौर,

दीतिज्ञों जिभोवार निमाने से ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है।

बताने वाले डॉ. शर्मा इसपर अपना तर्क देते है कि उपरोक्त लोग प्रबन्धन से पैसा लेकर उसे मनमानी की छूट दे रहे हैं। कांटी- कोढ़िया वासी सत्यनारायण सहनी इसे सरकार और प्रबन्धन की मिलीभगत का नतीजा बताते हैं। शेरूकांटी निवासी सुर्दशन मिश्रा प्रतिष्ठान के कर्मचारी एवं पदाधिकारी के वेतन लेने की पद्धति को इसका कारण मानते हैं । श्री मिश्रा के अनुसार प्रबन्धन नए मशीन का बिल बनाकर पुराने मशीन की रिपेयरिंग कर चलाता है। थर्मल पावर स्टेशन के पूर्व ठेकेदार मनोज कुमार ने रख-रखाव के लिए पैसे की कमी, अभियंताओं की दक्षता में कमी, प्रबन्धन की आराम तलबी को प्रमुख कारण बताया। उत्पादन बंद होने के बाद इसके लिए जिम्मेवार पदाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई न होने को दुर्दशा का सबसे महत्वपूर्ण कारण बताते हैं। वार्ड सं- 3 निवासी श्री भगवान साह कहते हैं कि प्रबन्धन नाम का कोई शब्द पावर स्टेशन में अब नहीं बच गया है। कमीशन की लालच में प्रबन्धन एक कार्य को कागज पर दस बार दर्शाने में अपने शातिर दिमाग का उपयोग करता है जो दुर्दशा का मुख्य कारण है। वार्ड सं-8 के निवासी नन्दकिशोर साह इसके लिए प्रबन्धन को दोषी बताते हैं। श्री साह के अनुसार प्रबंन्धन द्वारा जिम्मेवारी सही ढ़ंग से

थर्मल में मन रहा है 'पीस एण्ड हैप्पी'

ठं अ

मु

जि

सि

बच

ख

मौ

सवा सौ घंटे से बंद कांटी थर्मल पावर स्टेशन मे अगले दो-तीन दिनों में कोयले आना मुमकिन नही लगता है। बंद होने 200 घंटे बाद ही कांटी थर्मल पावर स्टेशन से उम्पादन संभव को मुख्यालय हो सकेगा। ऐसा संकेत कांटी थर्मल पावर स्टेशन प्रबंधन द्वारा विधुत बोर्ड भेजे गए त्राहिमाम संदेश के बाद मिले जबाब से मिलता है। बोर्ड मुख्यालय ने कांटी थर्मल पावर स्टेशन को कहा है कि कागज में अभी करीब 22 हजार टन कोयला स्टॉक में है। इसके जबाब मे कांटी थर्मल पावर ने बोर्ड को बताया. कि स्टॉक में जो कोयला है व कारपेट कोल है । कारपेट कोल का प्रतिउत्तर अब तक बोर्ड ने थर्मल पावर को नहीं दिया है बोर्ड से जुड़े सूत्रों का कहना है कि कोयला अमूमन दो से तीन दिनों में कांटी थर्मल पावर को नहीं दिया है। बोर्ड से जुड़े सूत्रों का कहना है कि कोयला अमूमन दो से तीन दिनों में कांटी थर्मल पावर को हो सकेगा। इधर थर्मल प्रबन्धन भी बगैर कोयला आवक के यूनिट चलाने के मूड में नहीं है। पावर स्टेशन से जुड़े सूत्र कहते हैं कि प्रबंधन ने यह फैसला इस वर्ष भारी तनाव में गुतारने के बाद पीस एण्ड हेप्पी के लिए किया है।

बच्चों के झगड़े को लेकर बाढ़ के स्थायी निदान के

में दो जख्मी

बत

बा

जि

क

37 स